महालक्ष्मी व्रत कथा PDF

बहुत समय पहले की बात है, एक गाँव में एक ब्राह्मण रहता था। वह प्रतिदिन ब्राह्मण नियमानुसार भगवान विष्णु की पूजा करता था। उसकी भक्ति से प्रसन्न होकर, भगवान विष्णु उसके सामने प्रकट हुए और उसे उसकी इच्छा के अनुसार वरदान देने का वादा किया।

ब्राह्मण ने देवी लक्ष्मी से अपने घर में निवास करने का वरदान मांगा। जब ब्राह्मण ने यह कहा तो भगवान विष्णु ने कहा कि मंदिर में प्रतिदिन एक स्त्री आती है और वह गोबर के उपलों का पति है। वह देवी लक्ष्मी हैं, आप उन्हें अपने घर बुलाएं। अगर आपके घर में मां लक्ष्मी के कदम पड़ जाएं तो आपका घर धन-धान्य से भर जाएगा।

इतना कहकर भगवान विष्णु अदृश्य हो गये। अब अगले दिन सुबह से ही ब्राह्मण मंदिर के सामने बैठकर माता लक्ष्मी का इंतजार करने लगा। जब उसने लक्ष्मी जी को गोबर के उपले पकाते देखा तो उनसे अपने घर आने का अनुरोध किया।

ब्राह्मण की बात सुनकर लक्ष्मी जी समझ गईं कि यह बात विष्णु जी ने ही ब्राह्मण से कही है। इसलिए उन्होंने ब्राह्मण को महालक्ष्मी व्रत करने की सलाह दी। लक्ष्मी जी ने ब्राह्मण से कहा कि तुम 16 दिनों तक महालक्ष्मी व्रत करो और व्रत के आखिरी दिन चंद्रमा की पूजा करके अर्घ्य देने से तुम्हारा व्रत पूरा हो जाएगा।

ब्राह्मण ने भी महालक्ष्मी के कहे अनुसार व्रत किया और देवी लक्ष्मी ने उसकी इच्छा भी पूरी की। उस दिन से यह व्रत श्रद्धापूर्वक मनाया जाता है।

pdfinbox.com